RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-14 | अंक 12 | नवंबर 2018 | विक्रमी सं. 2075 | मूल्य : एक रुपया

विद्या भारती की राष्ट्रीय विज्ञान मेला का हुआ आयोजन

देश भर से आए बाल वैज्ञानिक अपने-अपने प्रदर्श लेकर, बड़े वैज्ञानिकों से हुआ साक्षात्कार

(कटक, उड़ीसा) शिक्षा विकास समिति, उड़ीसा द्वारा आयोजित 'विद्या भारती की राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मेला' सरस्वती विद्या मंदिर, केशवधाम, गतिराउतपाटणा, कटक में विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। यह ज्ञान-विज्ञान मेला दिनांक 16 से 20 नवंबर 2018 तक चली। जिसके मुख्य अतिथि कटक जिला के शिक्षा अधिकारी श्री निरंजन वेहेरा जी रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में विमानन क्षेत्र में अपना प्रशिक्षण व शोध कर अपनी अभियांत्रिकी क्षमता को विकसित कर देश को विकास के शिखर पर ले जाने हेतु आह्वान किया।

कार्यक्रम में भारत सरकार के प्रतिरक्षा विभाग चांदीपुर के निदेशक डॉ. विनयकुमार दास ने उद्‌घाटन के मुख्य अतिथि के रूप में बाल वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि जीवन में हार मानना ठीक नहीं है, बार-बार परिश्रम करके सफलता के शिखर पर पहुँचना जरूरी है। आप सभी द्वितीय कलाम बनें, यही मेरी कल्पना है। इस अवसर पर भारत सरकार के राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, उड़ीसा के निदेशक डॉ. हिमांशु पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में विज्ञान के सदुपयोग एवं दुरुपयोग के परिणाम के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि परिवेश को प्रदूषण से सुरक्षा करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति का प्रयत्न होना आवश्यक है।

विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री ललितबिहारी जी गोस्वामी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना बहुमूल्य योगदान देते हुए कहा कि असफलता को दूर कर सफलता श्रेय दूसरे को देने से कलाम जैसा महान वैज्ञानिक का निर्माण हो सकता है। भारत मेरी माँ है और मैं उसका संतान हूँ। इसलिए हमें गर्व होना चाहिए।

राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार जी ने बाल वैज्ञानिकों से कहा कि आप सभी प्रतिभागी विद्यालय स्तर से प्रतियोगिता करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचे हैं। आपस में श्रद्धा होना, यह ठीक बात है, उससे भी सदा आगे रहना और आनन्द की बात है पर सफलता पाने के बाद भी सिद्धांत में रहना और सोच दूसरों को देना, यह महत्त्व की बात है।

विद्या भारत के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री गोविन्द चन्द्र महांत ने सभी बाल वैज्ञानिकों को आगामी समय में विज्ञान और गणित के क्षेत्र में शीर्ष स्थान प्राप्त कर अपना परिवार, विद्यालय एवं राष्ट्र को गौरवांवित करने हेतु आशीर्वचन प्रदान किए।

विद्या भारती के राष्ट्रीय सहमंत्री डॉ. किशोरचंद्र महांत ने मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया एवं विद्या भारती के राष्ट्रीय वैदिक गणित संयोजक श्री देवेन्द्रराव जी देशमुख ने सभी उपस्थित अतिथि सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किए। मंचासीन अतिथियों ने चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया। इस ज्ञान-विज्ञान मेला में विज्ञान एवं गणित विषय के 198 प्रकल्प, 88 प्रयोग, 66 पत्रवाचन एवं 198 प्रश्नमंच से, कुल 550 प्रतिभागियों ने सहभागिता की एवं विज्ञान व गणित विषय के 200 आचार्य-आचार्याओं ने भी भाग लिया। पत्रवाचन का मूल्यांकन उड़ीसा के प्रमुख शिक्षा संस्थान उत्कल विश्वविद्यालय, रेभेन्सा विश्वविद्यालय एवं रमादेवी महिला विश्वद्यिालय के वरीष्ठ शिक्षाविदों एवं विचारकों द्वारा किया गया। इस ज्ञान-विज्ञान मेला के क्षेत्रशः परिणाम में विज्ञान विषय में उत्तरपूर्व क्षेत्र प्रथम रहा एवं गणित विषय में पूर्व क्षेत्र प्रथम रहा।

संयोजक, राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मेला।

64 वीं राष्ट्रीय शालेय फील्ड आर्चरी प्रतियोगिता का शुभारंभ

स्थानः- सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय

(शिवपुरी-म.प्र.) 64 वीं राष्ट्रीय शालेय फील्ड आर्चरी प्रतियोगिता का शुभारंभ सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगता के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. गोविन्द प्रसाद शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष विद्याभारती, अध्यक्षता डॉ. प्रकाश बरतुनिया कुलाधिपति बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, विशिष्ट अतिथि श्री श्रीराम जी अरावकर (राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री, विद्याभारती) रहे।

प्रतियोगिता समारोह का उद्घाटन मंचस्थ अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना से किया गया।

अतिथियों का परिचय श्री पवन शर्मा प्राचार्य सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय के द्वारा और अतिथियों का स्वागत श्री अवधेश त्यागी विभाग समन्वयक ग्वालियर विभाग ने किया। एस.जी.एफ.आई. प्रतियोगिता की भूमिका के बारे में श्री सोमदत्त दीक्षित (सी.पी.आई.ओ. ऑफीसर दिल्ली) एस. जी.एफ.आई. फील्ड आर्चरी ऑब्जर्वर ने कहा कि यह खेल प्रतिवर्ष लगभग सत्तर हजार बच्चे खेलते हैं। तीन सालों में 250 से अधिक गोल्ड मेडल प्राप्त किए हैं। विश्व स्तर पर आगे और अच्छे परिणाम देंगे। विद्याभारती को एक राज्य के रूप में दर्जा प्राप्त है, यह एक बड़ी उपलब्धि है, जिसके अंतर्गत तीरंदाजी की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में आयोजित की जा रही है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. गोविन्द प्रसाद शर्मा ने कहा कि यदि खेलों के बारे में कहा जाए तो विश्व भर के लोग मानते हैं कि मनुष्य ने भाषा को बाद में, पहले खेल सीखा। बच्चा जन्म के समय से ही खेलना प्रारम्भ कर देता है। तीरंदाजी प्राचीन विधाओं में से एक है, जिसमें चित्त की एकाग्रता प्रमुख है। महाभारत में अर्जुन की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि चित्त को एकाग्रचित्त नहीं किया तो स्थिरता नहीं हो सकती है। इसलिए सभी प्रतिभागियों को भी अर्जुन की भांति एकाग्रचित्त होकर केवल अपने लक्ष्य को ध्यान में रखना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. प्रकाश बरतुनिया ने कहा कि कोई भी क्षेत्र हो, हमें अपने लक्ष्य को ध्यानपूर्वक रखकर राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के प्रतिबद्ध होना चाहिए और इसके लिए जीवन में खेल अतिआवश्यक है। इसके माध्यम से हम एक दूसरे से रूबरू होते हैं और भाईचारा विकसित होता है। खेलों में जीत हार का कोई महत्व नहीं है। खिलाड़ी बड़े विशाल हृदय के होते हैं। पृथ्वीराज चौहान इतने बड़े तीरंदाज थे कि बिना आँखों से देखे ही (शब्दवेधी वाण) अपने लक्ष्य पर तीर मारते हुए उसे प्राप्त करने में सक्षम थे। भारत ने ही विश्व को यह विद्या सिखाई।

प्रतियोगिता प्रारम्भ की घोषणा श्री राजेन्द्र सिंह (खेल निदेशक, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर) द्वारा की गई। भैया हर्षवर्धन सिंह परमार ने सभी प्रतिभागियों को निष्ठापूर्वक खेल की शपथ दिलाई।

इस राष्ट्रीय फील्ड आर्चरी प्रतियोगिता में 13 राज्यों, जिनमें विद्याभारती, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, दिल्ली, उड़ीसा, गुजरात, पंजाब, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, डी.ए.वी. कॉलेज मैनेजिंग कमीटी, सी.बी.एस.ई. वेलफेयर स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजेसन से तीनों वर्गों के लगभग 342 बालक, 278 बालिका एवं 130 कोच व मैनेजर्स उपस्थित रहे।

मार्शल आर्ट की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्या भारती बना चैंपियन

(शिवपुरी-म.प्र.) राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मार्शल आर्ट की विद्या अस्तुडो अखाड़ा में विद्या भारती ने 31 पदक प्राप्त कर चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रहा। इसमें सरस्वती विद्यापीठ, शिवपुरी ने 13, छत्तीसगढ़ ने 11 और अशोक नगर ने 7 पदक प्राप्त किए।

राष्ट्रीय अस्तुडो अखाड़ा प्रतियोगिता में विद्या भारती का प्रतिनिधित्व करते हुए सरस्वती विद्यापीठ के छात्रों ने मारी बाजी। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मार्शल आर्ट की विधा अस्तुडो अखाड़ा में सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय के छात्रों ने बाजी मारकर पदकों पर अपना कब्जा किया। यह प्रतियोगिता राजस्थान के धौलपुर में आयोजित हुई थी।

पदक प्राप्त करने वाले 21 छात्रों में से 2 स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में ऋषिपाल यादव एवं गोपाल सिंघल, 4 रजत पदक प्राप्त करने वालों में अमित गोस्वामी, अभय प्रताप सिंह बुंदेला, शैलेन्द्र कुमार पाल, राजकुमार यादव तथा 7 कांस्य पदक प्राप्त करने वालों में नीतेश रावत, रविन्द्र लोधी, मोनू गुर्जर, अमन लाक्षाकार, भूपेन्द्र राजपूत, अमित केवट, शिवम कुमार मौर्य ने प्राप्त करते हुए तृतीय स्थान के साथ ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी प्राप्त की।

इस अवसर पर शिवपुरी विभाग समन्वयक श्री ज्ञानसिंह कौरव, प्राचार्य श्री पवन शर्मा सहित विद्यालय परिवार ने भैयाओं को बधाई दी।

क्षेत्रीय ज्ञान-विज्ञान मेला का हुआ आयोजन

(मुंगेर, बिहार) 'कठोर परिश्रम, लगन, अत्मविश्वास हो तो सफलता अवश्य मिलती है। क्यों, कहाँ, कब और कैसे आदि प्रश्न का उत्तर जब हम खोजते हैं तो इसका समाधान भी मिलता है और यही अन्वेषण की प्रवृति किसी चीज के आविष्कार में मदद करता है, जो कि समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध होता है। अच्छी बातों को ग्रहण करना और समाज तक पहुँचाना हमारा दायित्व है। जल का अपव्यय और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाना हमारा दायित्व है।' उक्त बातें वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर में विद्या भारती, के तत्त्वावधान में आयोजित क्षेत्रीय ज्ञान-विज्ञान मेला (04 नवम्बर 2018) के समापन अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री दिवाकर घोष ने कही।

मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री रंजीत कुमार वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि विज्ञान वह है जिसमें भविष्य के अवलोकन की क्षमता हो। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच विज्ञान की कुछ किताब के पन्नों को पढ़कर नहीं आती, बल्कि व्यक्ति को पूर्वाग्रह से मुक्त होकर कुछ नयी सोच विकसित करनी चाहिए। आज तक जितने भी नोबेल पुरस्कार विजेता हुए, वे कभी पूर्वाग्रह से ग्रसित नहीं हुए। उनके द्वारा किया गया अविष्कार मौलिक रहा। आप का प्रयास किसी चीज की व्याख्या करने में ईमानदार हैं तो निश्चित रूप से आप वैज्ञानिक हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सिर्फ प्रमाण पत्र की नहीं, ज्ञान की भी आवश्यकता होती है। सफलता के लिए कर्मठता और समय पालन आवश्यक है। शिक्षा से हम अपने परिवेश को और उसकी समस्या को अच्छी प्रकार से समझ पाते हैं और उसके समाधान के योग्य बनते हैं।

इस विज्ञान मेला में भारती शिक्षा समिति, लोक शिक्षा समिति, बिहार एवं विद्या विकास समिति, झारखंड के अंतर्गत चलने वाले समस्त शिशु एवं विद्या मंदिरों के लगभग 800 भैया-बहनों के साथ-साथ संरक्षक आचार्यो ने भी भाग लिया।

विद्या भारती, बिहार के क्षेत्रीय मंत्री श्री कमलकिशोर सिन्हा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय ज्ञान-विज्ञान मेला में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहन अखिल भारतीय ज्ञान-विज्ञान मेला में भाग लेंगे जो दिनांक 16 से 20 नवम्बर 2018 तक कटक (उड़ीसा) में आयोजित है।

विद्या भारती, बिहार के क्षेत्रीय सचिव दिलीप कुमार झा ने कहा कि शिक्षा सिर्फ प्रतियोगिता में अंक लाने का खेल नहीं है बल्कि यह एक प्रयास है अपने जीवन को आत्मविश्वास से सुन्दर, सफल और सार्थक बनाने का।

क्षेत्रीय विज्ञान प्रमुख श्री राजाराम शर्मा ने ज्ञान-विज्ञान मेला में सफल प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कार्यक्रम का वृत्त-कथन प्रस्तुत किया। वहीं पुरस्कार वितरण की घोषणा क्षेत्रीय वैदिक गणित प्रमुख श्री रामचन्द्र आर्य ने किया।

ज्ञान-विज्ञान मेला में शिशु, बाल एवं किशोर वर्ग के भैया-बहनों ने विज्ञान, गणित एवं संगणक का प्रदर्श, वैदिक गणित एवं संस्कृति ज्ञान का पत्रवाचन, संस्कृत, संस्कृति ज्ञान एवं वैदिक गणित का प्रश्नमंच, गणित एवं विज्ञान के प्रयोग में भी भाग लिया। भैया-बहनों की तैयारी सराहनीय रही और इसकी प्रशंसा मूल्यांकनकर्ता ने की।

क्षेत्रीय ज्ञान-विज्ञान मेला में विज्ञान, गणित, संस्कृति ज्ञान, संस्कृत एवं संगणक में प्राप्त अंक के आधार पर भारती शिक्षा समिति, बिहार 293 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही। विद्या विकास समिति, झारखंड 251 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं लोक शिक्षा समिति, बिहार 185 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रही।

इस अवसर पर सभी पूर्णकालिक कार्यकर्ता, अधिकारीगण एवं विभिन्न विद्यालयों से आए प्रधानाचार्य, संरक्षक आचार्य एवं भैया-बहन उपस्थित रहे।

शिवधज यात्रा - तृतीय चरण सम्पन्न

दिनांक 30-09-2018 से 05-10-2018 तक

(उज्जैन, म.प्र.) शिवधज तृतीय चरण की पद यात्रा जनजाति क्षेत्र में शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, स्वदेश प्रेम एवं सामाजिक चेतना को जगाने के लिए शि से शिक्षा का महत्व, व से वन का महत्व, ध से धर्म की रक्षा व महत्व, ज से जल को संरक्षित करना, जल का सदुपयोग करना, पर्यावरण संरक्षण कैसे हो, इस दिशा में विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ता श्री महेश गुप्ता एवं जनजाति क्षेत्र की शिक्षा में कार्यरत श्री सोहन डोडवे (जिला प्रमुख, जनजाति) एवं संकुल प्रमुख, उप संकुल प्रमुख व ग्रामीण क्षेत्र के नवयुवकों ने भाग लिया। यह यात्रा सुदूर पहाड़ी क्षेत्र मथवाड़ के जंगलों में रात्रिकाल काजला माता मंदिर से प्रारंभ होकर माँ नर्मदा के तट ककराना पर भजन पूजन व सहभोज कर सम्पन्न हुई। इस यात्रा में कुल पदयात्री 40 एवं जगह-जगह पर साथ देने वाले कार्यकर्ता सहित 3883 की सहभागिता हुई। कुल पदयात्रा 130 किलोमीटर रही।

अंतिम दिन यात्रा का समापन रात्रि में माँ नर्मदा के किनारे हुआ। प्रात: में सभी पदयात्री स्थानीय संत से संसाधन का सहयोग लेकर अल्पाहार बनाया। यह समय सर्वपितृ पूजन का था, इसलिए सभी ने नर्मदा में स्नान कर धन्य हुए। सभी ने तो ये कहा कि हमारे पूर्वजों को पानी देने हेतु माँ नर्मदा ने स्वयं बुलाया, ऐसा मौका बार-बार नहीं आता। भोजनोपरान्त सभी पदयात्री एक नई ऊर्जा लेकर अपने कार्य क्षेत्र की ओर पुन: रवाना हुए।

प्रकाश रोकड़े, सचिव वनवासी सेवा न्यास, म.प्र.

शिशु मंदिर के बाल वैज्ञानिक प्रदेश में हुए सम्मानित

(उ.प्र.) सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज गुलाबबाड़ी, मुरादाबाद के छात्र को बाल वैज्ञानिक अवार्ड के लिए भैया संजू सैनी को बाल वैज्ञानिक के रूप में राज्य स्तर पर शासन द्वारा चुना गया है। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा भैया संजू सैनी को 25 अक्टूबर 2018 को लोक भवन उत्तरप्रदेश सचिवालय में रूपये 25,000 एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

विद्या भारती मध्य क्षेत्र के विज्ञान एवं वैदिक गणित मेला का हुआ आयोजन

स्थान-सरस्वती शिशु मन्दिर उच्च मा.वि., टिमरनी (म.प्र.)

(म.प्र.) क्षेत्रीय विज्ञान एवं वैदिक गणित मेला का आयोजन दिनांक 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2018 तक सरस्वती शिशु मन्दिर उच्च मा.वि. टिमरनी, जिला-हरदा (मध्यभारत प्रान्त) में आयोजित किया गया। जिसमें विद्या भारती मध्य क्षेत्र के श्री अरुण जी पटेवार (कोषाध्यक्ष विद्या भारती मध्य क्षेत्र) एवं श्री देवेन्द्र राव जी देशमुख (अखिल भारतीय वैदिक गणित प्रमुख) उपस्थित रहे। विद्या भारती मध्य क्षेत्र से श्री जितेन्द्र मोहन श्रीवास्तव-क्षेत्रीय वैदिक गणित प्रमुख एवं श्री संजयकुमार मकड़ारिया-सह क्षेत्रीय विज्ञान प्रमुख उपस्थित रहे, साथ ही विज्ञान एवं वैदिक गणित विषय के प्रान्त प्रमुख, सह-प्रान्त प्रमुख उपस्थित रहे। विज्ञान मेले में कुल उपस्थित संख्या 385 रही। विवरण निम्नानुसार है –

प्रतिभागी			संरक्षक		अधिकारी	अन्य	कुल योग
भैया	बहिन	योग	आचार्य	दीदी			
200	102	302	52	27	02	02	385

क्षेत्रीय विज्ञान एवं वैदिक गणित समारोह में मध्य क्षेत्र से प्रान्तश: प्रतिभागी भैया-बहिनों की सहभागिता इस प्रकार रही।

क्र.	प्रान्त का नाम	प्रतिभागी			संरक्षक			अधिकारी	अन्य	कुल योग
		भैया	बहिन	योग	आचार्य	दीदी	योग			
1.	मालवा प्रान्त	41	23	64	07	07	14	.	.	78
2.	मध्य भारत प्रान्त	53	20	73	17	03	20	.	01	94
3.	महाकौशल प्रान्त	50	18	68	08	10	18	02	01	89
4.	छत्तीसगढ़ प्रान्त	40	22	62	11	04	15	.	.	77
5.	मालवा प्रान्त ॅग्राम भारतीॅ	03	07	10	04	01	05	.	.	15
6.	मध्य भारत प्रान्त (ग्राम भारती)	03	03	06	01	00	01	.	.	07
7.	महाकौशल प्रान्त (ग्राम भारती)	04	02	06	01	01	02	.	.	08
8.	छत्तीसगढ़ प्रान्त (ग्राम भारती)	06	07	13	03	01	04	.	.	17
		200	102	302	52	27	79	02	02	385

सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए लोकतंत्र की मजबूती आवश्यक

पूर्व छात्रों के संग दीपावली मिलन समारोह **- डॉ. पवन तिवारी**

(महाकोशल, म.प्र.) सशक्त राष्ट्र के लिए लोकतंत्र का होना आवश्यक है। डॉ. पवन तिवारी ने बताया कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए सभी अर्हता प्राप्त मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में पंजीकृत कराना चाहिए। साथ ही मताधिकार का प्रयोग अनिवार्य रूप से होना चाहिए। आर्थिक, सामाजिक व प्रशासनिक समस्याओं का हल बुलेट से नहीं, बल्कि बैलेट से होगा। भारत दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमारे संविधान ने आम नागरिकों के हाथ में ऐसी ताकत है, जिसके जरिए राष्ट्र निर्माण में हमारी महती सहभागिता सुनिश्चित होती है। वर्तमान में बड़े पैमाने पर लोग अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं। इससे अयोग्य नेताओं का चुनाव हो जाता है और फिर वे नेता समाज को आगे बढ़ाने के बजाए तोड़ने का कार्य का करते हैं। ऐसे में स्वच्छ राजनीति के लिए यह आवश्यक है कि लोकतंत्र के इस बड़े पर्व में अधिक से अधिक लोग भागीदारी करें। अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। चुनाव में जितने अधिक लोगों की सहभागिता होगी, उतने ही अच्छे जनप्रतिनिधि चुनकर आएँगे। उक्त विचार सरस्वती शिशु मंदिर गंगानगर में पूर्व छात्र परिषद् (विद्याभारती महाकौशल) द्वारा आयोजित **''दीपावली मिलन समारोह''** में उपस्थित पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. पवन तिवारी ने व्यक्त किए।

समारोह में प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक, सरस्वती शिक्षा परिषद् के प्रादेशिक सचिव डॉ. नरेन्द्र कोष्टी, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. अमित झा, डॉ. अजय फौजदार, डॉ. अतुल दूबे, डॉ. नीलेश पांडेय, डॉ. आशीष मिश्र, डॉ. अमित चंदानन, विद्या भारती के पदाधिकारियों सहित विद्यालय के वरिष्ठ आचार्यों तथा प्राचार्यों सहित विभिन्न स्थानों से आए हुए पूर्व छात्र इस समारोह में सम्मिलित हुए। सभी ने शत-प्रतिशत मतदान कराने के लिए लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

प्रवीण कुमार तिवारी, मीडिया प्रमुख

सर्वांगीण विकास के लिए मातृभाषा में शिक्षा आवश्यक

- डॉ. नीरदा देवी

(असम) मातृभाषा में शिक्षा व्यवस्था होना आवश्यक है जिससे कि छात्रों का विकास सुगमतापूर्वक होता है। मातृभाषा में शिक्षा न होने के कारण छात्र-छात्राओं के विकास में बाधा होती है और वह संस्कृति व वास्तविकता से दूर हो जाते हैं। उक्त कथन मुख्य अतिथि SCERT असम की डायरेक्टर डॉ. नीरदा देवी ने विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की साधारण सभा की बैठक (दिनांक 11 नवंबर 2018) शंकरदेव विद्या निकेतन, गुवाहाटी में अपने उद्बोधन में व्यक्त किया। सभा में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों से कार्यकर्ता उपस्थित हुए। इस सभा में विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप बेतकेकर जी ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि वर्तमान में देश में तीन प्रकार के समूह हैं-ब्रेकिंग इंडिया, मेकिंग इंडिया और लुकिंग इंडिया। इनमें से हमें लुकिंग इंडिया वालों को मेकिंग इंडिया में जोड़ना है तभी ब्रेकिंग इंडिया के ब्रिगेड का सामना किया जा सकता है।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री श्री सांचीराम पायेंग ने बताया कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त विद्या भारती की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के विभिन्न खेलों में इस वर्ष असम ने 03 स्वर्ण, 01 रजत और 04 कांस्य पदक प्राप्त किए। शंकरदेव शिशु निकेतन की छात्रा तृष्णा फूकन ने लगातार तीन वर्षों से स्वर्ण पदक प्राप्त कर असम प्रांत का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रौशन किया है। इसी सभा में श्री विजय तोड़ी को विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। विद्या भारती की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती अनिमा शर्मा, पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष श्री आर. के. पोद्दार व विशिष्ट समाजसेवी श्री भंवरलाल अग्रवाल भी उपस्थित रहे। इसी समय पूर्वोत्तर संवाद (ई-न्यूज लेटर व वेब चैनल) का उद्घाटन भी किया गया।

विकास शर्मा, कार्यालय मंत्री वि.भा. पूर्वो. क्षेत्र।

अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है और धर्म रक्षार्थ हिंसा भी उसी प्रकार श्रेष्ठ है, देश एवं न्याय के रक्षार्थ की गई हिंसा भी धर्म है

- डॉ. गिरीशानंद जी महाराज

(महाकोशल, म.प्र.) ''अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथैव च'' उक्त कथन डॉ. गिरीशानंद जी महाराज ने रानी दुर्गावती शोध संस्थान द्वारा देश की वीरांगना रानी दुर्गावती की 494वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में पूर्व संध्या पर आयोजित (दिनांक 04 अक्टूबर 2018) कवि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शांतिप्रियता हमारी संस्कृति है, लेकिन इसका आशय यह भी नहीं है कि कोई हमारे देश की शांति को भंग कर दे। अहिंसा परम धर्म है लेकिन धर्म की रक्षा के लिए की गई हिंसा भी धर्म है। हम अपने ऊपर हो रही हिंसा का जवाब नहीं दे सके तो यह कायरता होगी। हम हिंसा नहीं चाहते लेकिन आत्म सुरक्षा तो कर ही सकते हैं। हम अभिमानी नहीं हैं लेकिन स्वाभिमानी तो बनें। हमारा स्वाभिमान जिंदा रहे, इसके लिए हर उचित कदम उठाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने वीरांगना दुर्गावती के शौर्य-पराक्रम एवं उनके द्वारा देश के रक्षार्थ दिए गए बलिदान के बारे में समाज को बताया। उनके सम्मान में उन्होंने ये पंक्तियाँ पढ़ी।

झुक गया है देश उसके दूध के सम्मान में,
दे दिया है लाली जिसने पुत्री मोह छोड़कर।
चाहता हूँ आंसुओं से पाँव वो पखार दूँ,
हे वीरांगना दुर्गा आ तेरी मैं आरती उतार लूँ।

कवि सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प.पू. गिरीशानंद जी महाराज ने किया तथा साथ में रानी दुर्गावती शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ. पवन स्थापक, डॉ. पी.डी. जुयाल (कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय), डॉ. ए. डी. एन. वाजपेयी व सुश्री रेखा चुड़ासमा मंचासीन रहे। इस अवसर पर विद्याभारती महाकोशल के संगठन मंत्री सहित अन्य सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रवीण तिवारी, मीडिया प्रभारी।

मीडिया की दिशा बदलने में शिक्षक की हो सकती है प्रभावी भूमिका

– प्रफुल्ल केतकर

मीडिया जगत की प्रसिद्ध हस्तियां हुई शामिल, चंडीगढ़ के आस-पास के 300 से अधिक अध्यापकों ने हिस्सा लिया

(चंडीगढ़, पंजाब) ''प्रारंभ में हमारे आचार्य या शिक्षक समाचार लिखते थे। वे अपनी समझ, सूझ-बूझ से खबर को देखते और उस खबर को अच्छी भाषा में प्रस्तुत कर देते थे। इस कारण मीडिया को समाचार देने के साथ-साथ समाज शिक्षण का कार्य भी होता था। मीडिया को समाज में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए पुन: शिक्षक वर्ग की सेवाएं लेनी होगी'' – उपरोक्त बातें अँग्रेजी साप्ताहिक ऑर्गेनाईजर के सम्पादक श्री प्रफुल्ल केतकर ने विद्या भारती पंजाब के प्रचार विभाग की कार्यशाला में शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कही। Media Constructing Narratives विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में चंडीगढ़ के आस-पास के 300 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में हिन्दूस्तान समाचार के निदेशक श्री श्रीराम जोशी ने ''पत्रकारिता की निष्पक्षता'' विषय पर अध्यापकों से चर्चा वार्ता की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की समझ की कमी या तथ्यों की जानकारी के अभाव में भी बहुत बार हम अपनी धारणा के विपरीत खबर आने पर उसे पक्षपाती घोषित कर देते हैं। गलत समाचार आने पर अधिकांश लोगों द्वारा मात्र नकारात्मक चर्चा कर अपने दायित्व की इतिश्री समझ लेने को उन्होंने वर्तमान पत्रकारिता के स्तर के लिए जिम्मेवार बताया। ऐसे किसी भी स्तरहीन समाचार आने पर समाज से 50/100 पत्र सम्पादक के नाम चले आते हैं तो सम्पादक को भी अपना दृष्टिकोण बदलना पड़ता है। अध्यापक समाज में जागरुक नागरिक की भूमिका निभा कर पत्रकारिता को स्वस्थ व सकारात्मक दिशा देने में प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

दूसरे सत्र में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया, ऐसे तीन भागों में शिक्षकों को बैठाया गया। इस सत्र में श्री राम जोशी जी ने प्रिंट मीडिया, श्री महेश चोपड़ा (सेवा निवृत डायरेक्टर दूरदर्शन) ने इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा ट्रिब्यून से विशेष रूप से गोष्ठी में आए श्री दिनेश जी ने सोशल मीडिया की बारीकिओं के संबंध में अध्यापकों को प्रशिक्षित किया। परिचर्चा के रूप में लिए गए विषयों में अध्यापक ने रुचिपूर्वक भाग लिया।

समाज में सकारात्मक विषयों को मीडिया के केन्द्र में लाने के प्रयास में अध्यापक आगे आएं –

समारोप सत्र में ऑर्गेनाइजर के मुख्य संपादक श्री प्रफुल्ल कुमार केतकर ने बड़े ही प्रभावी एवं रोचक ढ़ंग से मीडिया जगत से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है देशभक्त शक्तियाँ मीडिया में एजेन्डा सेटर बनें न कि केवल चल रहे एजेडों का ही प्रत्युत्तर देते रहें। मीडिया ने देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में तथा राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अत: केवल मीडिया की आलोचना करने से कार्य नहीं बनेगा। हमें मीडिया में सार्थक एवं सकारात्मक विषयों पर चर्चा करना चाहिए। उन्होंने समाचार भेजते समय ध्यान रखी जाने वाली बातों पर भी व्यापक चर्चा की।

प्रारंभ हुआ साहित्य दर्शन व पुस्तक मेला

अपनी ऐतिहासिक भूलें न दोहराएं – अभिजय चोपड़ा

नियत ठीक हो तो रास्ते खुद ही दिखाई देते हैं – डॉ. रश्मि विज

(विद्याधाम, पंजाब) ''पुस्तकों से हमें हमारी भूतकाल की स्थितियों का ज्ञान होता है। भूतकाल में हमारे द्वारा की गई भूलें, इन पुस्तको में दर्ज हैं। भूतकाल में हमने जो ऐतिहासिक गलतियाँ की हैं, उन्हें न दोहराएँ। पुस्तकों का तभी लाभ होगा। हिटलर विश्व विजेता इसलिए नहीं बन सका, क्योंकि वह अपने मित्रों से लड़ने लगा। विशेष तौर पर रूस से। एक समय में एक के साथ ही लड़ें। इस प्रकार के विषयों व पुस्तकों पर ग्रुप डिस्कसन स्कूलों में तो हो ही, स्कूलों से बाहर भी हो। यह उद्‌गार ''हिन्द समाचार पत्र समूह'' के निदेशक श्री अभिजय चोपड़ा जी ने सर्वहितकारी शिक्षा समिति (विद्या भारती पंजाब) के मुख्यालय विद्या धाम में साहित्य दर्शन व पुस्तक मेला'' के उद्‌घाटन के अवसर पर व्यक्त किए।

''अपनी भारतीय संस्कृति को आनेवाली पीढ़ियों तक श्रेष्ठ पुस्तकों के माध्यम से पहुँचाने का महत्वपूर्ण व पवित्र कार्य सर्वहितकारी शिक्षा समिति कर रही है। मुझे स्वयं भी पता नहीं था कि सर्वहितकारी शिक्षा समिति ऐसा उत्तम कार्य कर रही है। मैं इस प्रयास की न केवल प्रशंसा कर रही हूँ बल्कि इस श्रेष्ठ कार्य में पूर्ण सहयोग भी करूंगी। जब मुझे निमंत्रण देने विवेक खन्ना जी आए तो मुझे लगा कि छात्रों का कक्षा छोड़कर यहाँ आना संभव नहीं हो पाएगा। परन्तु यहाँ आकर इतनी अच्छी पुस्तकें देखकर ऐसा मैंने निश्चय किया है कि अपने स्कूल के छात्रों एवं शिक्षकों को यहाँ अवश्य ही भेजूंगी।

उनका यहाँ आना आवश्यक भी है। आज इंटरनेट के इस युग में एक भय लगा रहता है कि कहीं पुस्तकों को पढ़ने का चलन बंद ही न हो जाए। कहीं ऐसा न हो कि पुस्तकों की छपाई ही बंद हो जाए। परन्तु यदि ठीक नियत से कार्य किया जाए तो रास्ते खुद ही दिखने लगते हैं। दीपावली के शुभ अवसर पर मित्रों को उपहार में पुस्तकें देना चाहिए, यह यहाँ आकर ही पता चला। जबकि ये विचार पहले ही मन में आ जाना चाहिए था।'' यह उद्‌गार कार्यक्रम की विशेष अतिथि पुलिस डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. रश्मि विज ने व्यक्त किए।

इस साहित्य दर्शन व पुस्तक मेला के प्रमुख श्री नरेन्द्र जी ने बताया आज समाज में अच्छा साहित्य सामान्य रूप से उपलब्ध नहीं है जबकि श्रेष्ठ ज्ञान ही भारत की पहचान है। जीवन की भागदौड़ में हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहें हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आज से तीन वर्ष पूर्व ''साहित्य रथ योजना'' की शुरुआत सर्वहितकारी शिक्षा समिति द्वारा की गई। पुन: पिछले वर्ष से इस ''साहित्य दर्शन व पुस्तक मेला'' योजना प्रारंभ की गई। अब तक सौ से भी अधिक स्कूलों में जाकर बीस हजार से भी अधिक विभिन्न प्रकार की पुस्तकें बेची चुकी हैं। विद्याधाम में आयोजित इस कार्यक्रम के संबंध में उन्होंने यह भी बताया कि यहाँ चारों वेद, उपनिषद, पुराणों के अतिरिक्त महापुरुषों की जीवनियाँ, बाल साहित्य, स्वास्थ्य, योग व पंजाबी भाषा की साहित्य, गीता प्रेस गोरखपुर की पुस्तकों सहित लगभग 600 प्रकार की 20,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। इस मेले के लिए जालंधर के 60 स्कूलों में संपर्क किया गया। यह मेला 01 नवंबर से 03 नवंबर तक यहाँ आयोजित की गई। प्रथम दिन ही लगभग 500 छात्र मेले में भाग लिया।

इस मेला के उद्‌घाटन के अवसर पर विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के सह संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा जी, सर्वहितकारी शिक्षा समिति के अध्यक्ष महामंत्री, वित्त सचिव, मंत्री, मैनेजर एवं विभाग प्रचारक श्री पुरुषोत्तम जी उपस्थित रहे।

अपनी शिक्षा प्रणाली को अंग्रेजियत से मुक्त कराना आवश्यक

– मेजर जनरल जी. डी. बक्सी

(महाकोशल,म.प्र.) ''मैकाले के रचे चक्रव्यूह को तोड़ना और अपनी शिक्षा प्रणाली को अंग्रेजियत से मुक्त कराना आवश्यक है। अंग्रेज हमें ऐसा तोड़ कर गये कि आजादी के 70 साल बाद भी हम जुड़ नहीं सके। आज भी अंग्रेजियत की जकड़न हमारे भारतीय समाज में अनुभव की जा सकती है। भारतीय इतिहास के पन्नों से असली इतिहास छिपाया गया। आजाद हिन्द फौज के अस्सी हजार सैनिकों में से छब्बीस हजार सैनिकों के बलिदान ने हमें आजादी दिलाई थी और इतिहास में हमें पढ़ाया जाता है कि आजादी हमें बिना खड्‌ग और बिना ढ़ाल के मिली। अँग्रेजों ने हमें धर्म, भाषा व जाति में बांटकर हमारी फूट का फायदा उठाया और हम पर राज्य किया। आज आवश्यकता है भारतीय दर्शन को पहचानने की, भारत की आध्यात्मिक शिक्षा को आत्मसात करने की और अँग्रेजों द्वारा गुरुकुलों को नष्ट करके जो शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुँचाया, उसे पुनर्स्थापित करने की। हम अपने मूल की ओर जाएँ, भारतीय दर्शन को पहचानें, भारतीय शिक्षा के बहुआयामी स्वरूप को पहचानें। क्योंकि गुरु शिष्य परम्परा ही श्रेष्ठ शिक्षा का बोध करा सकती है। भारतीय शिक्षा जीवन में अनुभवजन्यता लाती है।'' यह वक्तव्य भारतीय सेना के अवकाश प्राप्त मेजर जनरल श्री जी.डी. बक्सी ने **''भारतीय शिक्षा में आध्यात्म बोध''** विषय पर दी। ज्ञातव्य हो कि विद्या भारती महाकोशल प्रांत द्वारा अपने विद्वत परिषद् के तत्त्वावधान में एक व्याख्यानमाला आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में रिटायर्ड मेजर जनरल श्री जी.डी. बक्सी पधारे। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस व्याख्यानमाला की अध्यक्षता विद्वत परिषद् के प्रांत संयोजक डॉ. अखिलेश गुमस्ता ने की एवं जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्राध्यापक श्री हरिराम मिश्र जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रवीण कुमार तिवारी, मीडिया प्रभारी।

विद्या भारती ओडिशा की विद्वत परिषद् की गोष्ठी का आयोजन

(कटक, ओडिशा) विद्या भारती की प्रांतीय समिति शिक्षा विकास समिति की विद्वत परिषद् की समूह ने दिनांक 09 सितम्बर 2018 को सरस्वती शिशु मंदिर, नया बाजार कटक में **'शिक्षा व्यवस्था में भारतीयता'** विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें डॉ. किशोरचन्द्र मोहन्ती, डॉ. हेमेन्द्र नारायण दास (प्रांत संपादक, मा. शिक्षा परिषद्, ओडिशा), डॉ. प्रमोदकुमार महापात्र (वैज्ञानिक और विज्ञानवार्ता पत्रिका के संपादक) उपस्थित रहे। इस गोष्ठी में प्रांत के 54 विशिष्ट शिक्षाविद् उपस्थित हुए।

इसी प्रकार दिनांक 16 सितंबर 2018 को प्रादेशिक विद्वत परिषद् की इकाई द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर, भुवनेश्वर में **'मातृभाषा आधारित शिक्षा'** विषय पर एक और गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में श्री गोविन्द चन्द्र महन्त (सह संगठन मंत्री विद्या भारती), डॉ. किशोर चन्द्र मोहन्ती (सह मंत्री विद्या भारती), डॉ. सुन्दर नारायण पात्र (सुनामधन्य परिवेशविद् एवं भारतीय विज्ञान काँग्रेस के आवाहक), डॉ. चितरंजन मिश्र (युनेस्को पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक व ओडिशा विज्ञान एकेडमी के सदस्य), डॉ. मीनाक्षी दास (विशिष्ट लेखिका एवं मा. शिक्षा परि. आडिशा से अवकाश प्राप्त भाषा विसारद्) उपस्थित रहे। इस संगोष्ठी में 52 विशिष्ट शिक्षाविदों ने सहभाग किया। इन दोनों गोष्ठियों का वातावरण अत्यंत ही उत्साहपूर्ण और प्रभावी रहा। श्री रूद्रनारायण वेहेरा (प्रांतीय विद्वत परिषद् संयोजक) के संयोजकत्व में दोनों गोष्ठी संपन्न हुआ।

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 November, 2018
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18
Date of Posting -24-25 November, 2018

State Level Science Exhibition (Gyan-Vigyan Mela) Valedictory Function in J&K

(J&K) Bhartiya Shiksha Samiti J&K organised its 17th State Level Science Exhibition, (Gyan-Vigyan Mela) at Sant Bal Yogeshwar Bhartiya Vidya Mandir Dadwara, Phinter, Billawer, from 22-24 October, 2018. The programme was inaugurated by Dr. Nirmal Singh Hon'ble Speaker J&K Legislative Assembly of State. In the august presence of Sh. Rajneesh Anand Chief Scientist CSIR-IIIM, Dr. D.M. Mondhe Sr. Principal Scientist, Dr. Dheeraj Vyas Sr. Scientist, Dr Prasoon Gupta Sr. Scientist & Dr. Rajinder Bhanwaria Scientist of CSIR-IIIM, Sh. Ram Lal Sharma senior vice president BSS J&K, Sh. Pradip Kumar Sangthan Mantri BSS J&K, Sh. Ved Bhushan Ji, Sh. Manoj Ji & Prof. Kumar Manglam Ji from Mumbai, Sh. Charan Dass Gupta President School Management Committee, Dr. Indu Bhushan Ji, Prof. Vivek Sharma, Sh. Pradeep Tripathi , Sh. Satish Mittal Sh. Pradeep Singh, Prant Sanyojak Vigyan & Deputy Chief Education Officer Kathua and all school & Prant Samiti members.

Smt. Nitu Chowdhary Principal SBY BVM Dadwara presented the welcome address and introduced the chief guest and other dignitaries with the audience. The senior team of scientists, judges of the programme.

250 students (Bal Vagyanicks) of our 11 Vidya Mandirs participated in this exhibition under the guidance of 20 science teachers. Sh. Pradeep Singh Ji Prant Sanyojak Vigyan presented the theme of Vigyan Mela.

Sh. Pradip Kumar Sangthan Mantri Bhartiya Shiksha Samiti was the main speaker. He told that we are exposing and encouraging scientific talent, making children realize the relevance of science responsibilities as budding scientists, developing creative thinking encouraging the problem solving approach, integrating scientific ideas, inculcating the aesthetic sense and team spirit, developing awareness our glorious cultural heritage. Popularising Science among the masses and creating an awareness of the role of Science in the Socio-economic growth of the country.

The chief guest Dr. Nirmal Kumar Singh hailed the efforts of Vidya Bharti J&K Bhartiya Shiksha Samiti by organizing such events in the state and specially lauded the efforts of students which had come from Palmar Kishtwar, Ramban, Doda, Udhampur, Reasi, Basohli on observing their scientific talent by preparing science models based on different topics given by NCERT and Vidya Bharti, specially on the eco friendly nature. Around 80 models where displayed in the exhibition. Science quiz, Computer Quiz, paper reading contests, mathematics & Computer models were also displayed.

President School management committed Sh. Charan Dass Gupta presented the vote of thanks in which he appreciated the role of CSIR-IIIM team of Scientists for evaluating and giving their valuable time to Vidya Bharti J&K. Programme ended with Vande Matram.

Samir Krishan Saproo

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013